ाटककार की ओर से

'सपना टूट गया' मेरे नौ एकांकियों का संग्रह है। इसके सात नाटक आकाशवाणी, पटना तथा अन्य रेडियो-स्टेशनों से अनेकों बार प्रसारित और प्रशंसित हो चुके हैं। 'कला की कीमत', जो 'कलाकार' के नाम से प्रसा-रित हुई थी, अपना एक इतिहास रखती है। जब भाई धर्मपाल लुम्बा ने इसे निर्देशित और प्रसारित किया तथा तत्कालीन स्टेशन-डायरेक्टर श्री मर्ढेकर ने सुना, तो उन्होंने यहाँ के कई नाटककारों से निवेदन किया कि अगर 'कलाकार' की स्क्रिप्ट को ध्यान में रख कर ही वे ध्वनि-रूपकों की रचना करें, तो क्या बात! उनका यह सुझाव बुजुर्ग साहित्यकारों से क्रोध और समवयस्कों से जलन पा कर कुछ अधिक हलचल नहीं पैदा कर सका। किन्तु, पुष्पा आर्याणी ने उसकी नायिका का कुशल अभिनय करके पटना आकाशवाणी के रूपक-इतिहास में एक रुपहली रेखा खींच दी।

इन नाटकों को सफल और यशस्वी बनाने में कला-प्राण अभिनेता श्री गोपालप्रसाद और सुश्री नीरा वर्मा का मैं विशेष रूप से आभारी हूँ, जिनकी अनुपम अभिनेयता ने इन तारों में चार चाँद लगा दिये हैं। दूसरे कलाकारों का भी मैं हृदय से कृतज्ञ हूँ, किन्तु स्मृति के विफल होने के कारण ही उनका नाम यहाँ नहीं दे पा रहा हूँ!

अन्त में सुश्री उर्मिला वर्माजी को मै हृदय से यदि धन्यवाद न दूँ, तो यह एक अक्षम्य अपराध होगा; क्योंकि पटना आकाशवाणी के नाटक-